[श्री शकर दयाल सिंह]

जाच सिविल एविएशन द्वारा होती है या नही ? मैं यह भी जानना चाहूगा कि बिहार सरकार के जो अधिकारी उस मे बैठे थे वह किस हैसियत से बैठे थे यद्यपि उन के प्रति हमारी सिम्पैथी है। इस के साथ साथ मै यह भी जानना चाहूगा कि यह जो प्राइवेट प्लेन्स उडते रहते है उन पर कोई रोक लगाने का क्या विचार है ? जब तक उन की ठीक से जाच न हो तब तक उन को उडने की पर्मीशन नही मिलनी चाहिए । मै चाहूगा सिविल एविएशन मिनिस्टर इस सदन के सामने इस सम्बन्ध मे अपना एक वक्तव्य दे ।

13—4½ hrs

RE. STRIKE BY EMPLOYEES OF RESERVE BANK OF INDIA

SHRI DINEN BHATTACHARYYA (Serampore) Under Rule 377, I wish to raise the following matter of urgent public importance

"The employees of the Reserve Bank of India are holding country-wide demonstrations including one day strike today, that is, April 10, 1973, against various schemes introduced by the Bank including installation of computers which would result in elimination of jobs and against new methods adopted for destruction of notes contrary to the normal rules giving rise to wide scope of fraud and also seriously affecting future job potential. Serious resentment has also expressed by the employees against the transfer of employees to other banks."

My request to the Minister through you is to immediately take up the issue, otherwise there will be all India prolonged strike on this issue. The Minister should take note of this situation which is developing throughout the country.

(Interruptions)

---

13 06 hrs.

RE MODE OF ADDRESSING THE SPEAKER

अध्यक्ष महोदय . पिछले दिन यहा पर जब पेट्रोलियम के मत्री बरुआ जी बोल रहे थे तो वे मुझे सदर साहब कह रहे थे तो मैंने देखा जिसकी मर्जी चाहे कुछ कह देता है, कोई सदर साहब, कोई प्रधान साहब, काई सभापति, तो मैंने उन्हे रोका कि स्पीकर ही कहिए क्योकि स्पीकर शब्द के पीछे एक इतिहास है । अगर आप लोगो का इस हाउस मे कोई शब्द कहना हो तो वह एक ही होना चाहिए, वह हिन्दी का ही शब्द ले लीजिए लेकिन एक ही होना चाहिए । तो पजाब मे एक अखबार है 'अजीत' उसके एडीटर साहब ने कुछ को कुछ बात बना ली, वे कहते है कि मैंने कहा मुझे सरदार साहब नही कहना चाहिए । (व्यवधान) उन्होंने सदर साहब को सरदार साहब बना लिया और उसको लेकर दो लीडिंग आर्टिकिल लिखे कि देखो, यह अच्छा आदमी है, पजाब मे आया है, सरदारो मे से है और अपने आप को सरदार नही कहलवाता । जबकि और सभी अखबारो मे ठीक छपा "सदर साहब" तो मुझे अजीत अखबार ने सरदार लिखने मे जान-बूझी शरारत की । उनको सिवाय स्पीकर के और कोई मजबून ही तलाश नही होता है ? और भी कोई विषय हो सकता है । इसलिए मुझे इस बात का अफसोस हुआ । (व्यवधान) बहुत डिस्टार्ट किया है । उनका यह काम है लेकिन स्पीकर को तो उन्हे छोड देना चाहिए और आपस मे झगड़ा रखे । मैंने इस बात

को पसन्द नहीं किया है, मैं प्रेस गैलरी कमेटी के चेयरमैन के पास भेजूंगा कि जानबूझकर ऐसी बातें नहीं होनी चाहिए ।

मैंने सोचा था कि सारी पार्लमेन्ट्स में स्पीकर ही बोलते हैं, यहां स्पीकर ही ठीक है या और कोई शब्द कहना हो, इस सिलसिले में मैंने एक महापुरुष से पूछा भी और उनके बोलते बोलते निकल गया कि संसद अध्यक्ष होना चाहिए । एक शब्द होना चाहिए आप कोई भी रख लीजिए लेकिन यह नहीं होना चाहिए कि जब मैं यहां बैठा हूं तो कोई सदर साहब कहता है, कोई सभापति कहता है या कोई नाथ कहे या स्वामी कहे— यह बात गलत है । मैंने सबसे पूछा है, मेरे अपने खयाल में जो मोहल्ले की कमेटी होती है उसको भी अध्यक्ष बोलते हैं । औरों से फर्क डालने के लिए लोक सभा अध्यक्ष के लिए "संसद अध्यक्ष" ठीक रहेगा । बेहतर हो स्पीकर हो कहा करें क्योंकि इस पीछे इतिहास है । (व्यवधान) ।

MR. SPEAKER: Order, Order. Both of you please sit down.

SHRI LILADHAR KOTOKI (Nowgong): Mr. Speaker, Sir, yesterday....

अध्यक्ष महोदय : आप से मैंने कह दिया वह ठीक है ।

श्री शिवनाथ सिंह (झुंझनू) : स्पीकर अंग्रेजी का शब्द है और हिन्दी में अध्यक्ष कहना चाहिये (व्यवधान) ।

अध्यक्ष महोदय : राष्ट्रभाषा हमारी जो है उस का एक शब्द होना चाहिये, यह नहीं कि जिसकी मर्जी जो कह दे । अध्यक्ष ठीक रहेगा । संसद अध्यक्ष होना ठीक है। यही शब्द मान लेना चाहिये ।

श्री एस० ए० शमीम (श्रीनगर) : आप के प्रेडिसिसर इन आफिस, सरदार हुकम सिंह ने एक दर्दनाक दास्तान लिखी है अखबार में कि टेलीफोन वालों ने उन से रिश्वत ली है, और उन का टेलीफोन मुस्तकिल खराब रहता है । और खासतौर में साबिक स्पीकर जो हों वह यह कहें कि टेलीफोन वालों ने 10 मर्तबा उन से रिश्वत ली है, मैं समझता हूं कि बहुगुणा जी की तवज्जह आप इस तरफ दिलायें । यह बात अगर साबिक स्पीकर के साथ हो सकता है तो कल का आप के साथ भी हो सकती है ।

SHRI PILOO MODY (Godhra): What is the final decision on the 'Speaker'?

MR. SPEAKER: I thing the word should be retained as 'Speaker'. In case you want to use a word in your own language, the only word that should be approved should be the word in the national language and not in regional languages.

श्री राम सहाय पांडे (राजनंदगाव) : अध्यक्ष जी, आप चूंकि एक निर्णय देने जा रहे हैं जिस का सम्बन्ध इतिहास, परम्परा और संसद की प्रक्रिया से भी है, और मैं आप की इस भावना से और आदेश से जो आपने दिया, और शब्द व्याख्या के परि-वेश में जो कहा है कि अध्यक्ष कहा जाय तो ज्यादा अच्छा है कि संसद अध्यक्ष कहा जाय क्योंकि जहां कहीं भी उल्लेख होगा अगर संसद का जोड़ देते है तो उस से आप का और इस सदन की गरिमा बढ़ जाती है । आप ने ठीक कहा कि अध्यक्ष बहुत सी सभाओं में हो सकते है । लेकिन अगर कहीं हम सभा में संसद अध्यक्ष कहें तो यह रूप, प्रारूप, व्याख्या यह सब कुछ अपने आप में सम्पूर्ण है । संसद अध्यक्ष ठीक है ।

SHRI PILOO MODY: It appears the three words approved are; Sansad Adhyaksh, Speaker and Espeaker.

SHRI S A SHAMIM Adhyaksh is used in Parliament that has special significance, just as we use speaker Speaker does not mean an ordinary speaker Therefore Adhyaksh is correct and we should not add Sansad to that word

अध्यक्ष महोदय अध्यक्ष तो जो भी सभा हो उस मे होता है । बाहर भी जो सभा होती है तो उस मे अध्यक्ष होता है । मुहल्ले की मीटिंग मे भी अध्यक्ष होता है । इस मे ससद जरूर आना चाहिए ।

श्री एस० एम० बनर्जी (कानपुर) अध्यक्ष महोदय, मेरा निवेदन है कि आम तौर से तो हम स्पीकर कहते हैं । लेकिन स्पीकर शब्द अंग्रेजी का है यह हमारे देश का नही है । कुछ लोगो को ससद अध्यक्ष कहने मे दिक्कत हो सकती है, वह चाहे तो आप को केवल अध्यक्ष ही कहे, क्यो कि अध्यक्ष के माने म जब अध्यक्ष आप को कोई कहना है तो माने है कि ससद के अध्यक्ष कल आप ने उर्दू जबान की काफी तर्जुमानी की

अध्यक्ष महोदय मै समझता हू कि मेरे मे बडा उर्दू जवान को तर्जुमानी करने वाला कोई नही है ।

श्री एस० एम० बनर्जी मै कह रहा था कि अगर शमीम साहब उर्दू मे बोलत है और सदरे ऐवान कहे तो मेरे खयाल म ऐवान ता हम कहते है सदरे ऐवान ठीक है । इसलिये मेरी गुजारिश है कि अगर कोई उर्दू मे भाषण देना चाहे तो वह आप को सदर ऐवान कहे, इस कोई एतराज की बात नही है ।

SHRI PILOO MODY Even in Gujarati it is a bad word

MR SPEAKER Speaker or Sansad Adhyaksh

SHRI P G MAVALANKAR (Ahmedabad) What have you to say Sir, about the telephone difficulties experienced by the former Speaker Sardar Hukam Singh?

SHRI S A SHAMIM He had been charged ten times

MR SPEAKER If the ex-Speaker says it has happened, if he writes to the Minister, the Minister can examine it (*Interruptions*)

SHRI S A SHAMIM Is there no protection to Sardar Hukam Singh?

MR SPEAKER I shall go to him personally and enquire about it.

---

13 17 hrs.

DEMANDS FOR GRANTS, 1973-74—*contd*

MINISTRY OF IRRIGATION AND POWER CONTD

SHRI LILADHAR KOTOKI (Nowgong) Yesterday, I was dealing with shortage of power and I mentioned that the per capita consumption of electricity in India in 1970-71 assessed at 9 kwh is dismally low compared to the per capita consumption of 4013 kwh in America I also mentioned that four figures of per capita consumption are low, they are staggeringly low in some parts of the country May I substantiate it with some figures? In 1970-71 the per capita consumption in Assam happened to be kwh Andhra 55, MP 55, Rajasthan 46 UP 58, Bihar 65 and on the higher side Maharashtra 157, Punjab 144, Tamilnadu 132 West Bengal 115, Gujarat 135 It shows how uneven it is our country itself I raise this point to remind the planners of what they should do when they talk of removing imbalances in the country

SHRI P G MAVALANKAR (Ahmedabad) On a point of order May I seek your guidance? Cut motions in respect of the Ministry of Irrigation and Power were moved at the fog end of the debate yesterday Would you therefore kindly permit us to move cut motions at this stage because we could not do so yesterday?